ग्रेटर नोएडा के यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में इंडिया चिप यूनिट के शिलान्यास समारोह में मौजूद लोगों का अभिवादन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ साथ में केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद, एचसीएल की चेयरपर्सन रोशनी नादर मल्होत्रा, फाक्सकान सेमीकंडक्टर बिजनेस ग्रुप के अध्यक्ष बाब चेन और अन्य • सौरभ राय

# देश के पहले डिस्प्ले ड्राइवर सेमीकंडक्टर संयंत्र में हर माह बनेंगी 3.6 करोड़ चिप

## देश की जीडीपी में सालाना 45 हजार करोड़ रुपये का योगदान देगा संयंत्र

**जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा:** इंडिया चिप प्रा.लि. संयंत्र के पूरी क्षमता के साथ उत्पादन करने पर यह देश की जीडीपी में सालाना 45 हजार करोड़ का योगदान देगा। संयंत्र के साथ यीडा क्षेत्र में ईको सिस्टम तैयार होगा। इससे जुड़ी अन्य इकाइयां स्थापित होंगी, जो हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेंगी।

देश के पहले डिस्प्ले ड्राइवर सेमीकंडक्टर ओएसएटी आउटसोर्स सेमीकंडक्टर एसेंबली एंड टेस्टिंग इकाई ने प्रदेश में विकास का नया अध्याय लिखना शुरू कर दिया है। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के साथ आगे बढ़ रही केंद्र सरकार के लक्ष्य को पूरा करने में उत्तर प्रदेश भी अहम भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संयंत्र के शिलान्यास के मौके पर अपने संबोधन में इसका जिक्र भी किया। संयंत्र में हर माह 20 हजार वेफर का उत्पादन होगा। प्रत्येक वेफर में 1800 चिप होंगी। इसके जरिये आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी। संयंत्र में 3706 करोड़ का निवेश होगा। 3780 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। दो साल में संयंत्र में उत्पादन शुरू हो जाएगा। यह संयंत्र उन्नत सेमीकंडक्टर पैकेजिंग, परीक्षण व असेंबली पर केंद्रित है। इससे वैश्विक सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन सशक्त होगी। साथ ही सेमीकंडक्टर अनुसंधान व विकास को आगे बढ़ाने के लिए अनुसंधान केंद्र व सिमुलेशन लैब्स स्थापित होगा। यीडा एसीईओ व निवेश सेल के प्रमुख शैलेंद्र भाटिया का कहना है कि प्रदेश सरकार ने इंडिया चिप प्रा.लि. के लिए 75 प्रतिशत लैंड सब्सिडी दी है। संयंत्र के लिए 48 एकड़ जमीन 292 करोड़ में आवंटित की गई है। साथ ही स्टांप शुल्क में शत प्रतिशत की छूट दी गई है। यीडा क्षेत्र इलेक्ट्रानिक्स व सेमीकडक्टर के हब के रूप में पहचान बना रहा है। यीडा क्षेत्र में दो अन्य आदिटेक सेमीकंडक्टर प्रा.लि. और केयांस सेमीकान प्रा.लि. को भी भूमि आवंटित की गई है। एआइ, इलेक्ट्रानिक्स की कुल 11 कंपनियां यीडा क्षेत्र में स्थापित होने जा रही हैं।

इंडिया चिप यूनिट के शिलान्यास समारोह में मौजूद गणमान्य लोग • सौरभ राय

**3706** करोड़ का निवेश करेगी फाक्सकान व एचसीएल की संयुक्त कंपनी

**2** साल में तैयार किया जाएगा उत्पादन, सरकार ने दी 75 प्रतिशत लैंड सब्सिडी

**55** प्रतिशत है देश में बनने वाले मोबाइल फोन में गौतमबुद्ध नगर की हिस्सेदारी

## सेमीकंडक्टर व एआइ हब के रूप में उभरेगा गौतमबुद्ध नगर

**जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा:** आत्मनिर्भर भारत के साथ देश को 2047 तक विकसित बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही केंद्र की सरकार मेड इन इंडिया ब्रांड को भी मजबूत कर रही है। दूसरे देशों पर सेमीकंडक्टर चिप की निर्भरता खत्म करने के लिए देश में इसके निर्माण में भी आत्मनिर्भरता के लक्ष्य पर काम हो रहा है। गुजरात व असम में बाद उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर चिप के छठे संयंत्र की स्थापना इस दिशा में अहम कदम है। गौतमबुद्ध नगर वैश्विक पटल पर ईको सिस्टम के साथ ही आधुनिक तकनीकी के हब के तौर पर वैश्विक पटल पर अपनी पहचान भी मजबूत कर रहा है।

दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर ने शुरुआत में अपनी पहचान आइटी हब के तौर पर स्थापित की थी। पिछले कुछ वर्षों में इस जिले में स्थापित इकाइयों से यहां उद्योग व तकनीकी के लिए पूरा ईको सिस्टम तैयार हो रहा है। इलेक्ट्रानिक कंपोनेंट से लेकर इलेक्ट्रानिक उत्पाद का निर्माण हो रहा है। देश में बनने वाले मोबाइल फोन में गौतमबुद्ध नगर की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत है। इससे आगे बढ़कर गौतमबुद्ध नगर एआइ हब व सेमीकंडक्टर चिप निर्माण के साथ वैश्विक पटल पर अपनी पहचान और मजबूत कर रहा है। देश की पहले एआइ कंप्यूट हब के लिए प्रदेश सरकार ने एएम ग्रुप के साथ एमओयू किया है। इसमें 2.5 लाख करोड़ का निवेश होगा। एक गीगावाट क्षमता के एआइ कंप्यूटर हब में पांच लाख अत्याधुनिक हाई परफार्मेंस चिप सेट्स होंगे। सेमीकंडक्टर चिप संयंत्र में सालाना 240000 यूनिट स्माल पैनल ड्राइवर आइसी, डिस्प्ले इंटीग्रेटेड सर्किट का निर्माण से विदेशों से चिप की निर्भरता कम होगी।

### जानिए, आखिर क्या है सेमीकंडक्टर

सेमीकंडक्टर एक बेहद छोटी लेकिन बेहद ताकतवर इलेक्ट्रोनिक चिप होती है, जो आमतौर पर सिलिकान या जर्मेनियम जैसे तत्वों से बनाई जाती है। आसान शब्दों में समझें तो यही चिप किसी भी इलेक्ट्रानिक डिवाइस को सोचने, समझने व काम करने की क्षमता देती है।